Indian Express, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 8, Size:(11.32)cms X (22.73)cms

MUMBAI-AHMEDABAD BULLET TRAIN

NHSRCL ropes in L&T for track work of bullet train project

SIDDHANT KONDUSKAR
MUMBAI, SEPTEMBER 11

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) Thursday signed a contract with Larsen & Toubro (L&T) for track work and track-related work on the Mumbai-Ahmedabad bullet train project in Maharashtra.

The contract includes design, supply, construction, testing, and commissioning of the double-line high-speed railway track over a 157 km stretch between the Mumbai terminal and Zaroli village at the Maharashtra-Gujarat border. The package comprises track work at four stations and the rolling stock facility at Thane.

"This contract is important for the project's advancement in Maharashtra, where work is picking up pace. While track laying in Gujarat is already in progress over 200 km of viaduct, this is the first significant track contract awarded on the Maharashtra section," an NHSRCL spokesperson said.

The project would employ a ballastless slab track system, the same technology used in Japan's Shinkansen network. The system consists of four components: reinforced concrete (RC) track bed, cement asphalt mortar (CAM), precast track slabs, and rails with fasteners.

As a part of Japan's knowledge transfer, Indian supervisors, technicians, and engineers have been subjected to rigorous training. Training in 15 modules, such as manufacturing of track slab, construction of RC track bed, slab laying, and application of CAM, was conducted under a memorandum signed with the Japan Railway Technical Service. A total of 436 engineers in Gujarat have already received certification under this program. The training sessions of a similar nature will be conducted in Maharashtra prior to track laying work," the NHSRCL spokesperson added.

The bullet train project, officially known as the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail (MAHSR) corridor, is India's first high-speed railway project. With the track contracts now finalised for Gujarat and Maharashtra as well, the attention is likely to be diverted towards accelerating installation works so that the project can be on track with its updated timelines.

The NHSRCL said the bullet train project has achieved several milestones till September 8. Viaduct construction is done across more than 320 km, while pier work extends to 397 km and pier foundations to 408 km. Seventeen river bridges, nine steel bridges, and five pre-stressed concrete (PSC) bridges have been erected.

Free Press Journal, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 10, Size:(14.05)cms X (13.86)cms

Bullet train project: NHSRCL signs a contract with L&T

Deal covers track work in Maharashtra as part of the Mumbai-Ahmedabad Bullet train corridor

157 km double-line from Mumbai to Zaroli

Includes **4 stns** and Thane depot

Project uses Japan's Shinkansen tech

Work in Gujarat already moving fast

All track contracts awarded to Indian firms

Ballast-less slab track system deployed

RC beds, CAM, precast slabs, fasteners used

Durable, precise, low-maintenance design

NHSRCL partners with JARTS for training

More than **430 engineers** trained in special modules

Training for Maharashtra leg planned next

AS OF SEPT 8

Viaduct done **320km**

Pier works **397km**

Pier foundation **408km**

17 river bridges built

9 steel bridges completed

5 PSC bridges finished

4 lakh noise barriers installed

Track bed **202km** completed

1,800 OHE masts up over 44km

MUMBAI WORK

21km BKC-Shilphata tunnel in progress

7 mountain tunnels under excavation

Elevated stations construction started

Mumbai underground station base slab casting on

Text: Kamal Mishra

Times of India, Ahmedabad, 12/09/2025
Page No. 5, Size:(12.09)cms X (9.15)cms

Work on bullet train track for Gujarat complete: With the awarding of the contract for the construction of the track in the Maharashtra section, the track-laying work for the entire alignment from Ahmedabad to Mumbai was completed. The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Thursday awarded a contract for the Maharashtra section of the Ahmedabad-Mumbai Bullet Train Project to Larsen & Toubro Limited. The NHSRCL authorities said that the contract for the Gujarat section was awarded earlier and nearly 202km of track bed was already completed.

Navbharat Times, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 5, Size:(25.14)cms X (15.66)cms

बुलेट ट्रेन के लिए महाराष्ट्र में भी जल्द शुरू हो जाएगा ट्रैक बिछाने का काम

NHSRCL और L&T के बीच समझौते पर हस्ताक्षर, भारतीय इंजिनियरों ले रहे प्रशिक्षण

NBT रिपोर्ट, मुंबई : नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने गुरुवार को महाराष्ट्र में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एल एंड टी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया है। इसमें लगभग 157 किमी का रूट शामिल है। मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर ज़रोली गांव के बीच पूरे मार्ग में 4 स्टेशनों और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक का कार्य भी किया जाना शामिल है।

ट्रैक प्रणाली के होते हैं 4 प्रमुख घटक : भारत में पहली बार जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी रहित स्लैब ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। इस ट्रैक प्रणाली में 4 मुख्य घटक होते हैं। आरसी ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (CAM), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल।

MOU के तहत मिल रहा प्रशिक्षण : एनएचएसआरसीएल के साथ एक एमओयू के तहत जापान रेलवे तकनीकी सेवा (JARTS) भारतीय इंजीनियरों को प्रशिक्षण दे रही है। 5 विशेष मॉड्यूलों को कवर करते हुए, ये कार्यक्रम ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, स्लैब ट्रैक इंस्टॉलेशन और सीएएम इंस्टॉलेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। गुजरात में टी-2 और टी-3 पैकेज के तहत लगभग 436 इंजीनियरों को इन उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी पैकेज के तहत महाराष्ट्र में भी ट्रैक निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना है।

महाराष्ट्र में काम की प्रगति

- BKC और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर है।
- पालघर जिले में 07 पर्वतीय सुरंगों पर खुदाई का काम चल रहा है।
- सभी 3 एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य शुरू हो चुका है और मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है।

Navbharat, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 11, Size:(27.20)cms X (14.87)cms

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

गति | मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, ट्रैक बिछाने काम जल्द, 157 किमी लंबे हिस्से पर बिछेगा ट्रैक

बुलेट ट्रेन: गुजरात में तेजी, अब महाराष्ट्र की बारी

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. देश के सबसे महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट यानी बुलेट ट्रेन को अब महाराष्ट्र में नई गति मिलने जा रही है. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मंगलवार को लार्सन एंड टूब्रो कंपनी के साथ एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इस करार के तहत महाराष्ट्र में 157 किलोमीटर लंबे हिस्से पर ट्रैक और उससे जुड़े तमाम कामों का डिज़ाइन, सप्लाई, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग किया जाएगा. इसमें मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन से लेकर महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के ज़ौली गांव तक का पूरा मार्ग, चार स्टेशन और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो शामिल है.

तीनों ट्रैक पैकेज भारतीय कंपनियों को ही मिले : इस प्रोजेक्ट के गुजरात हिस्से में काम तेजी से आगे बढ़ रहा है. 200 किमी से ज्यादा वायाडक्ट (ऊंचा पुल) पर ट्रैक निर्माण का काम चल रहा है। अब महाराष्ट्र में ट्रैक निर्माण शुरू होने से परियोजना की प्रगति को नई रफ्तार मिलेगी. खास बात यह है कि तीनों ट्रैक पैकेज भारतीय कंपनियों को ही मिले हैं, जिससे भारत को हाई-स्पीड रेल तकनीक में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ी छलांग मिली है.

परियोजना की प्रगति: 8 सितंबर 2025 तक

1800 ओएचई मस्त

21 किमी सुरंग का काम जारी

- मुंबई-शिलफाटा 21 किमी सुरंग का काम जारी
- पालघर में 7 पर्वतीय सुरंगों की खुदाई
- गुजरात के सभी स्टेशनों का सुपर स्ट्रक्चर अंतिम चरण में
- मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग शुरू

जापानी तकनीक से बनेगा 'स्लैब ट्रैक'

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में जापान की शिंकानसेन तकनीक का 'बैलेस्ट-लेस स्लैब ट्रैक सिस्टम' अपनाया जा रहा है. यह ट्रैक चार हिस्सों से बनता है – आरसी ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार, प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और रेल फास्टनर. इस तकनीक से ट्रेनों की गति और सुरक्षा दोनों को मजबूती मिलेगी.

इंजीनियरों को मिल रही ट्रेनिंग

NHSRCL ने जापान रेलवे टेक्निकल सर्विस के साथ मिलकर भारतीय इंजीनियरों, सुपरवाइजर्स और तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है. गुजरात में 436 इंजीनियर पहले ही ट्रैक बेड और स्लैब ट्रैक इंस्टॉलेशन की बारीकियां सीख चुके हैं. अब महाराष्ट्र में भी निर्माण शुरू होने से पहले इसी तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

सिर्फ दो घंटे में मुंबई से अहमदाबाद

बुलेट ट्रेन के शुरू होने से मुंबई-अहमदाबाद के बीच की दूरी सिर्फ दो घंटे में तय की जा सकेगी. इससे न सिर्फ उद्योग-व्यापार को बल मिलेगा बल्कि यात्रियों को समय और सुविधा दोनों मिलेंगी. साथ ही परियोजना में भारतीय इंजीनियरों और कंपनियों की भागीदारी से भविष्य में भारत खुद हाई-स्पीड रेल तकनीक का निर्यातक भी बन सकता है.

Rashtriye Swabhimaan, Mumbai, 12/09/2025
Page No: 4, Size: 21.80cm × 14.74cm

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना : महाराष्ट्र में ट्रैक कार्य हेतु एनएचएसआरसीएल और एलएंडटी में समझौता

ठाणे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के ट्रैक डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण और परीक्षण-कमीशनिंग संबंधी कार्य हेतु लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (L&T) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह कार्य लगभग 157 किलोमीटर रूट लंबाई में मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन से लेकर महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के जरोली गांव तक होगा। इसमें चार स्टेशनों और ठाणे स्थित रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल हैं।

गुजरात में (पैकेज T-2 और T-3) 200 किलोमीटर लंबे वायाडक्ट पर ट्रैक निर्माण कार्य पहले से तेजी से प्रगति पर है। ट्रैक निर्माण के तीनों

पैकेज भारतीय कंपनियों को सौंपे गए हैं, जिससे हाई-स्पीड रेल ट्रैक तकनीक में देश की विशेषज्ञता बढ़ रही है।

भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना में जापानी शिंकानसेन प्रणाली पर आधारित गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस प्रणाली में आरसी ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (CAM), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल शामिल हैं।

जापान रेलवे टेक्निकल सर्विस (JARTS) और NHSRCL के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को ट्रैक निर्माण तकनीक पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुजरात में अब तक 436 इंजीनियर प्रशिक्षित हो चुके हैं और महाराष्ट्र में भी कार्य शुरू होने से पहले प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

8 सितम्बर 2025 तक परियोजना की प्रगति,वायाडक्ट निर्माणः 320 कि.मी., पियर निर्माणः 397 कि.मी., पियर फाउंडेशनः 408 कि.मी., 17 नदी पुल, 9 स्टील ब्रिज और 5 पीएससी ब्रिज पूर्ण, 203 कि.मी. मार्ग पर 4 लाख नॉइज बैरियर लगाए गए, 202 कि.मी. ट्रैक बेड निर्माण पूर्ण, 1,800 ओएचई मास्ट इंस्टॉल (44 कि.मी. मुख्य लाइन वायाडक्ट कवर), महाराष्ट्र में बीकेसी-शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर, पालघर जिले में 7 पर्वतीय सुरंगों पर खुदाई कार्य जारी, गुजरात के सभी स्टेशनों पर अधिरचना कार्य अंतिम चरण में महाराष्ट्र के तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य शुरू और मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग प्रगति पर है।

Yash Bharat, Mumbai, 12/09/2025
Page No: 2, Size: 21.46cm × 20.58cm

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में ट्रैक संबंधी कार्यों के लिए समझौता

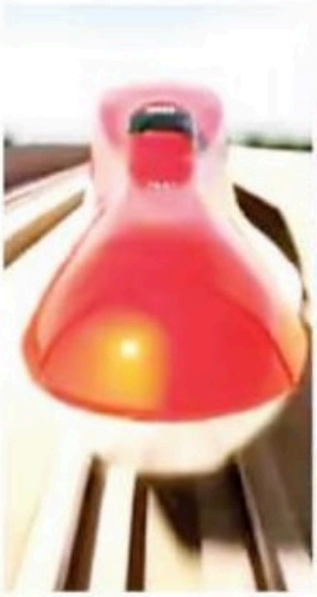

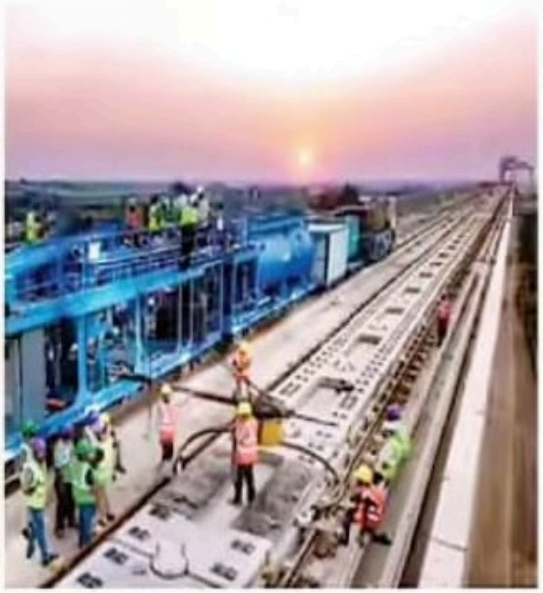

झमुंबई। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आज महाराष्ट्र राज्य में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इसमें लगभग 157 रूट कि.मी. संरेखण में, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव के बीच पूरे मार्ग में चार स्टेशनों और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल है।गुजरात में (पैकेज टी-2 और टी-3 के अंतर्गत) 200 किलोमीटर से अधिक लंबे वायाडक्ट पर ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। ट्रैक निर्माण कार्य से संबंधित तीनों पैकेज भारतीय कंपनियों को सौंपे गए हैं, जिससे हाई-स्पीड रेल ट्रैक निर्माण तकनीक में भारत की समग्र विशेषज्ञता में वृद्धि हुई है। वहीं जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी रहित स्लैब ट्रैक प्रणाली का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएएचएसआर) के लिए किया जा रहा है। इस ट्रैक प्रणाली में चार मुख्य घटक होते हैं द्य आर.सी. ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सी.ए.एम.), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल। एनएचएस आरसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) ने भारतीय इंजीनियरों, कार्य प्रभारियों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों के लिए व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किए हैं।15 विशेष मॉड्यूलों को कवर करते हुए,यह कार्यक्रम ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, स्लैब ट्रैक इन्स्टालेशन और सीएएम इन्स्टालेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थे। गुजरात में टी-2 और टी-3 पैकेज के तहत लगभग 436 इंजीनियरों को इन उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी पैकेज के तहत महाराष्ट्र में भी ट्रैक निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना है। महाराष्ट्र, मुंबई में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर है।? पालघर जिले में 07 पर्वतीय सुरंगों पर खुदाई का कार्य प्रगति पर है। ?गुजरात के सभी स्टेशनों पर अधिरचना का कार्य अग्रिम चरण में है। महाराष्ट्र के सभी तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य शुरू हो चुका है और मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है।

Yeshobhumi, Mumbai, 12/09/2025
Page No: 2, Size: 26.09cm × 24.00cm

बुलेट परियोजना के लिए समझौता पर हस्ताक्षर

यशोभूमि / संवाददाता

ठाणे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आज महाराष्ट्र राज्य में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इसमें लगभग 157 रूट कि.मी. संरेषण में, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव के बीच पूरे मार्ग में चार स्टेशनों और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल है। गुजरात में (पैकेज टी-2 और टी-3 के अंतर्गत) 200 किलोमीटर से अधिक लंबे वायाडक्ट पर ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। ट्रैक निर्माण कार्य से संबंधित तीनों पैकेज भारतीय कंपनियों को सौंपे गए हैं, जिससे हाई-स्पीड रेल ट्रैक निर्माण तकनीक में भारत की समग्र विशेषज्ञता में वृद्धि हुई है। जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी रहित स्लैब ट्रैक प्रणाली का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएएचएसआर) के लिए किया जा रहा है। इस ट्रैक प्रणाली में चार मुख्य घटक होते हैं: आर.सी. ट्रैक बेड, सीमेंट एस्फाल्ट मोर्टार (सी.ए.एम.), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल।

डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल

व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित

एनएचएसआरसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) ने भारतीय इंजीनियरों, कार्य प्रभारियों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों के लिए व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 15 विशेष मॉड्यूलों को कवर करते हुए यह कार्यक्रम ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, स्लैब ट्रैक इन्स्टालेशन और सीएएम इन्स्टालेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थे।

Yeshobhumi, Mumbai, 13/09/2025

Page No: 3, Size: 15.24cm × 10.32cm

बुलेट ट्रेन परियोजना में हुई एलएंडटी की इंट्री

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) ने मंगलवार को बुलेट ट्रेन परियोजना में ट्रैक के काम के लिए लार्सन एंड टुब्रो कंपनी

डिजाइनिंग से लेकर कमीशनिंग का करेगी काम

के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत महाराष्ट्र में 157 किलोमीटर लंबे रूट पर ट्रैक की डिजाइनिंग, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग का काम उनके माध्यम से किया जाएगा। लगभग 4,400 करोड़ रुपए का यह समझौता एलएंडटी के साथ किया गया है, जिससे महाराष्ट्र में इस परियोजना को गति मिलेगी। इसके माध्यम से बीकेसी बुलेट ट्रेन स्टेशन से महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर स्थित जरौली गांव तक के रूट पर पटरियां बिछाई जाएंगी।

इसमें चार स्टेशन और ठाणे में एक रोलिंग स्टॉक डिपो शामिल है। फिलहाल, 500 मीटर लंबे वायडक्ट का काम पूरा हो चुका है और लगभग 10 किलोमीटर का रूट तैयार हो जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद ट्रैक पर काम शुरू होने की संभावना है। बुलेट ट्रेन शुरू होने के बाद मुंबई और अहमदाबाद के बीच की दूरी सिर्फ दो घंटे में तय की जा सकेगी।

जापानी तकनीक मददगार

बुलेट ट्रेन परियोजना में जापान की शिंकानसेन तकनीक के 'ब्लास्ट-लेस स्लैब ट्रैक सिस्टम' का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह ट्रैक चार हिस्सों से बना है: आरसी ट्रैक बेड, सीमेंट डामर मोर्टार, प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और रेल फास्टनर। यह तकनीक ट्रेनों की गति और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित करेगी।

Dabang Dunia, Mumbai, 12/09/2025

Page No: 3, Size: 20.24cm × 12.09cm

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में ट्रैक संबंधी कार्यों के लिए समझौता

दबंग रिपोर्टर » मुंबई

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आज महाराष्ट्र राज्य में डबल लाइन हाई स्पीड रेलवे के लिए परीक्षण और कमीशनिंग सहित ट्रैक और ट्रैक से संबंधित कार्यों के डिजाइन, आपूर्ति और निर्माण के लिए लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इसमें लगभग 157 रूट कि.मी. सखिण में, मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन और महाराष्ट्र-गुजरात सीमा पर जरोली गांव के बीच पूरे मार्ग में चार स्टेशनों और ठाणे में रोलिंग स्टॉक डिपो के लिए ट्रैक कार्य भी शामिल है। गुजरात में (पैकेज टी 2 और टी-3 के अंतर्गत) 200 किलोमीटर से अधिक लंबे वायाडक्ट पर ट्रैक निर्माण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। ट्रैक निर्माण कार्य से संबंधित तीनों पैकेज भारतीय कंपनियों को सौंपे गए हैं, जिससे हाई-स्पीड रेल ट्रैक निर्माण तकनीक में भारत की समग्र विशेषज्ञता में वृद्धि हुई है।

वहीं जापानी एचएसआर (शिंकानसेन) में प्रयुक्त गिट्टी रहित स्लैब ट्रैक प्रणाली का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना (एमएचएसआर) के लिए किया जा रहा है। इस ट्रैक प्रणाली में चार मुख्य घटक होते हैं। आर.सी. ट्रैक बेड, सीमेंट एसफाल्ट मोर्टार (सी.ए.एम.), प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब और फास्टनर्स के साथ रेल। एनएचएस आरसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेआरटीएस) ने भारतीय इंजीनियरों, कार्य प्रभारियों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों के लिए व्यापक प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 15 विशेष मॉड्यूलों को कवर करते हुए,यह कार्यक्रम ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, स्लैब ट्रैक इन्स्टालेशन और सीएएम इन्स्टालेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थे। गुजरात में टी-2 और टी-3 पैकेज के तहत लगभग 436 इंजीनियरों को इन उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी पैकेज के तहत महाराष्ट्र में भी ट्रैक निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इंजीनियरों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना है। महाराष्ट्र , मुंबई में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का कार्य प्रगति पर है। पालघर जिले में 07 पर्वतीय सुरंगों पर खुदाई का कार्य प्रगति पर है। ?गुजरात के सभी स्टेशनों पर अभिरचना का कार्य अग्रिम चरण में है। महाराष्ट्र के सभी तीन एलिवेटेड स्टेशनों पर कार्य शुरू हो चुका है और मुंबई भूमिगत स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है।

Navrashtra, Mumbai, 14/09/2025
Page No: 2, Size: 25.72cm × 20.03cm

Agreement signed for bullet train 'track'

मुंबई-अहमदाबाद • १५७ किमी रूट अलायन्मेंट; चार स्टेशन, ठाण्यातील विविध कामांचा समावेश

बुलेट ट्रेनच्या 'ट्रॅक'साठी केला करार

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या कामाने महाराष्ट्र राज्यात वेग घेतला आहे. नॅशनल हाय-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने महाराष्ट्र राज्यातील 'डबल लाईन हाय-स्पीड रेल्वे'साठी ट्रॅक व ट्रॅक-संबंधित कामे, डिझाइन, पुरवठा आणि बांधकाम तसेच टेस्टिंग व कमिशनिंगसाठी एम/एस लार्सन & टुब्रो लिमिटेडसोबत करार केला. एकूण सुमारे १५७ किमी रूट अलायन्मेंट असलेल्या या प्रकल्पात मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन आणि महाराष्ट्र-गुजरात सीमेवरील झरोली गाव दरम्यानच्या संपूर्ण अलायन्मेंटचा समावेश आहे. यामध्ये चार (४) स्टेशन आणि ठाणे येथील रोलिंग स्टॉक डेपो यांचे ट्रॅक कामेही समाविष्ट आहेत.

गुजरातमधील ट्रॅक बांधकामाचे काम (पॅकेज दि-२ आणि दि-३ अंतर्गत) २०० किमीपेक्षा जास्त व्हायाडक्टच काम वेगाने पूर्ण करण्यात येत आहे. सर्व तीन ट्रॅक बांधकामाशी संबंधित पॅकेजेस भारतीय कंपन्यांना दिले आहेत. त्यामुळे हाय-स्पीड रेल्वे ट्रॅक बांधकाम तंत्रज्ञानातील भारताची एकूण कौशल्य आणि तज्ज्ञता वाढत आहे.

बुलेट ट्रेनच्या कामांनी घेतला वेग

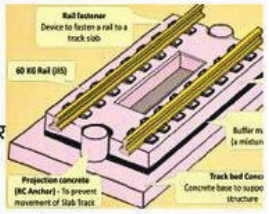

- १७ नदी पूल, ०९ स्टील पूल आणि ०५ पीएससी (प्रि-स्ट्रेस्ड काँक्रीट) पूल पूर्ण
- २०३ किलोमीटर लांबीच्या मार्गावर ४ लाख नॉईज बॅरियर्स बसविले
- २०२ ट्रॅक किलोमीटर ट्रॅक बेड बांधकाम पूर्ण
- सुमारे ४४ किलोमीटर मुख्यलाइन व्हायाडक्टवर १८०० ओएचई मस्त्स बसविले
- महाराष्ट्रातील बीकेसी आणि शिल्फाटा दरम्यान २१ किलोमीटर लांबीच्या टनेलचे काम सुरू
- पालघर जिल्ह्यातील ७ पर्वत टनेल्समध्ये खणकामाचे काम सुरू
- गुजरातमधील सर्व स्टेशनवरील सुपरस्ट्रक्चरचे काम प्रगत टप्प्यात

जपानी बॅलास्ट-लेस स्लॅब ट्रॅक मुख्य घटक

जपानी हाय-स्पीड रेल्वे (शिंकान्सेन)मध्ये वापरल्या जाणाऱ्या बॅलास्ट-लेस स्लॅब ट्रॅक सिस्टीमचा भारताच्या पहिल्या हाय-स्पीड रेल्वे प्रकल्पासाठी (एमएएचएसआर) वापर केला जात आहे. या ट्रॅक सिस्टीममध्ये आरसी ट्रॅक बेड, सिमेंट-अस्फाल्ट मोर्टार (सीएएम), प्री-कास्ट ट्रॅक स्लॅब आणि फासनेरसह रेल्स हे चार मुख्य घटक आहेत.

इंजिनियरला प्रशिक्षण दिले जाणार

एनएचएसआरसीएलसोबतच्या एखाद्या एमओयू अंतर्गत, जपानी रेल्वे तांत्रिक सेवा (जार्ट्स) ने भारतीय अभियंते, कामाचे नेतृत्व करणारे, पर्यवेक्षक आणि तंत्रज्ञांसाठी सर्वसमावेशक प्रशिक्षण व प्रमाणपत्र कार्यक्रम राबविले आहेत. १५ विशेष मॉड्यूल्सचा समावेश असलेल्या या कार्यक्रमांमध्ये ट्रॅक स्लॅब निर्मिती, आरसी ट्रॅक बेड बांधकाम, स्लॅब ट्रॅक प्रतिष्ठापन आणि सीएएम प्रतिष्ठापन यांसारख्या प्रमुख क्षेत्रांवर भर दिला आहे. गुजरातमधील दि-२ आणि दि-३ पॅकेजेस अंतर्गत सुमारे ४३६ अभियंत्यांना या प्रगत तंत्रांमध्ये आधीच प्रशिक्षण दिले आहे. या पॅकेजअंतर्गत महाराष्ट्रातही ट्रॅक काम सुरू होण्यापूर्वी अभियंते व पर्यवेक्षकांना प्रशिक्षण देण्यात येणार आहे.

Sakal, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 4, Size:(26.43)cms X (18.39)cms

Acceleration of the bullet train project

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाला गती

महाराष्ट्रातील १५७ किमींच्या ट्रॅकसाठी करार

सकाळ वृत्तसेवा

मुंबई, ता. ११ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पात मोठे पाऊल टाकण्यात आले आहे. महाराष्ट्रातील ट्रॅक आणि संबंधित कामांसाठी नॅशनल हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने (एनएचएसआरसीएल) लार्सन अँड टुब्रो (एल अँड टी) कंपनीसोबत करार केला आहे. या करारामुळे मुंबईतील बुलेट ट्रेन स्थानकापासून गुजरात सीमेवरील झरोली गावापर्यंत १५७ किमी लांब ट्रॅक टाकला जाणार असून, चार स्थानके आणि ठाण्यातील रोलिंग स्टॉक डेपोचाही समावेश आहे.

आतापर्यंतची प्रगती

आतापर्यंत ३२० किमी वायाडक्ट पूर्ण, ३९७ किमी पिअर बांधकाम, ४०८ किमी पिअर फाउंडेशन, १७ नदीपूल, नऊ स्टील ब्रिज, पाच काँक्रीट ब्रिज पूर्ण, २०३ किमी मार्गावर चार लाख नॉइज बॅरियर, २०२ किमी ट्रॅक बेड तयार, बीकेसी-शिळफाटादरम्यान २१ किमी बोगदा काम सुरू, पालघर जिल्ह्यात सात डोंगरी बोगद्यांची खोदकामे सुरू आहेत. गुजरातमधील सर्व स्थानके अंतिम टप्प्यात असून महाराष्ट्रातील स्थानकांचे आणि मुंबई भूमिगत स्थानकांचे काम सुरू आहे.

गुजरातमध्ये २०० किमीपेक्षा जास्त वायाडक्टवर ट्रॅक टाकण्याचे काम जोरात सुरू आहे. हे सर्व काम भारतीय कंपन्यांकडे सोपवले गेले आहे. त्यामुळे हाय-स्पीड रेल ट्रॅक तंत्रज्ञानात भारतीय अभियंते आणि तंत्रज्ञ अधिक पारंगत होत आहेत. या प्रकल्पात जपानच्या शिंकान्सेनप्रमाणे बॅलेस्टलेस स्लॅब ट्रॅक प्रणाली वापरली जात आहे. या ट्रॅकसाठी मजबूत काँक्रीट बेड, विशेष मोर्टार, प्रीकास्ट स्लॅब आणि रेल फास्टनर्स अशा चार घटकांचा वापर होणार आहे. भारतीय अभियंत्यांना या अत्याधुनिक तंत्रज्ञानाचे प्रशिक्षणही दिले जात आहे. जपानी संस्थेच्या मदतीने गुजरातमध्ये ४३६ अभियंते प्रशिक्षित झाले असून, महाराष्ट्रात काम सुरू होण्यापूर्वी स्थानिक अभियंते आणि पर्यवेक्षकांनाही प्रशिक्षण देण्यात येणार आहे.

Punyanagari, Mumbai, 12/09/2025
Page No. 7, Size:(17.91)cms X (20.32)cms

The agreement accelerates the work of the bullet train.

करारामुळे बुलेट ट्रेनच्या कामाला गती

भारतीय कंपन्यांना बांधकामाशी संबंधित पॅकेजेस

मुख्य जनसंपर्क अधिकाऱ्यांची माहिती

पालघर : महाराष्ट्रातून जाणाऱ्या बुलेट ट्रेनचे कामासंबंधी नॅशनल हाय स्पीड कॉर्पोरेशन लिमिटेडने गुरुवारी रेल्वेसाठी ट्रॅक व ट्रॅक संबंधित कामे डिझाइन पुरवठा, बांधकाम, तसेच टेस्टिंग व कमिशनिंगसाठी एम/एस लार्सन अँड टुब्रो कंपनीबरोबर करार केला आहे. करारामुळे बुलेट ट्रेनच्या कामाला गती मिळणार आहे, अशी माहिती बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे मुख्य जनसंपर्क अधिकाऱ्यांनी दिली.

सुमारे १५७ किमीचे अंतर हे राज्यातून जाणार आहे. रूट अलाइनमेंट असलेल्या प्रकल्पात मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन आणि महाराष्ट्र-गुजरात सीमेवरील झरोली गाव याच्यातील संपूर्ण अलायमेंटचा समावेश केलेला आहे. यात चार स्टेशन्स आणि ठाणे येथील रोलिंग स्टॉक डेपोच्या ट्रॅकच्या कामांचाही समावेश आहे. बांधकामाशी संबंधित पॅकेजेस भारतीय कंपन्यांना देण्यात आली आहेत. त्यामुळे हायस्पीड रेल्वे ट्रॅक बांधकाम तंत्रज्ञानात भारताचे कौशल्य वाढणार आहे.

करारांतर्गत जपानी रेल्वे तांत्रिक सेवाने भारतीय अभियंते, पर्यवेक्षक आणि तंत्रज्ञान यासाठी सर्वसमावेशक प्रशिक्षण व प्रमाणपत्र कार्यक्रम राबवले आहेत. यामध्ये १५ विशेष मॉडेल्सचा समावेश आहे. ट्रॅक स्लॅब निर्मिती, आरसीसी ट्रॅक बेड बांधकाम, स्लॅब ट्रॅक प्रतिष्ठापन आणि सीएएम प्रतिष्ठापन यांसारख्या प्रमुख क्षेत्रांवर भर देण्यात आला आहे. गुजरातमधील दि दोन आणि दि तीन पॅकेजेस अंतर्गत सुमारे ४३६ अभियंत्यांना प्रगत तंत्रज्ञानाचे प्रशिक्षण याअगोदर देण्यात आले असल्याचे कंपनीतर्फे सांगण्यात आले. तसेच या पॅकेज अंतर्गत महाराष्ट्रात ट्रॅक काम सुरू होण्यापूर्वी अभियंते आणि पर्यवेक्षकांनाही प्रशिक्षण देण्यात येणार असल्याचेही बुलेट ट्रेनचे मुख्य जनसंपर्क अधिकारी निशांत भानू यांनी सांगितले.

Navgujarat Samay, Ahmedabad, 12/09/2025
Page No. 5, Size:(31.25)cms X (29.71)cms

Contracts signed for track laying work on 157 km corridor in Bullet Train project

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં 157 કિમીના કોરિડોર ઉપર ટ્રેક નાખવાના કામ માટે કરાર કરાયા

» મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનથી ઝરોલી ગામ સુધી ટ્રેક નાખવાનું કામ કરશે

નવગુજરાત સમય > સુરત

બુલેટ ટ્રેનના પ્રોજેક્ટ માટે ટ્રેક નાખવાના કામ માટે નેશનલ હાઇ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન લિમિટેડે ગુરુવારે લાર્સન એન્ડ ટુબ્રો લિમિટેડ સાથે કરાર કર્યો હતો. મહારાષ્ટ્રમાં 'ડબલ લાઇન હાઇ સ્પીડ રેલવે' માટે ટ્રેક અને ટ્રેક સંબંધિત કાર્યોના ડિઝાઇન, સપ્લાય અને કન્સ્ટ્રક્શન સહિત ટેસ્ટિંગ અને કમિશનિંગ માટે કરાર કર્યો છે. મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનથી ગુજરાત સીમા પાસે આવેલા ઝરોલી ગામ સુધીનો અંદાજે 157 રૂટ કિ.મી. ના રૂટ ઉપર, જેમાં ચાર (04) સ્ટેશનો તથા થાણે ખાતેના રોલિંગ સ્ટોક ડેપો માટેના ટ્રેક કાર્યોનો પણ સમાવેશ થાય છે.

ગુજરાતમાં ટ્રેક કન્સ્ટ્રક્શનનું કામ (પેકેજ ટી-2 અને ટી-3 હેઠળ) 200 કિ.મી.થી વધુ વાયડક્ટ પર ઝડપી ગતિએ આગળ વધી રહ્યું છે. આ ત્રણ પેકેજના કામ ભારતીય કંપનીઓને અપાયા છે, જેથી બુલેટ ટ્રેનના ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર ટેક્નોલોજીમાં ભારતની ક્ષમતા અને જ્ઞાનમાં વધારો થયો છે. જાપાનીઝ હાઇ સ્પીડ રેલ (શિંકાન્સેન)માં ઉપયોગમાં લેવાતી બેલેસ્ટ-લેસ સ્લેબ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ ભારતની પ્રથમ હાઇ સ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ (એમએએચએસઆર) માટે કરાઈ રહ્યો છે. આ એમ.ઓ.યુ. હેઠળ, જાપાન રેલવે ટેક્નિકલ સર્વિસ (જાટ્ર્સ) દ્વારા ભારતીય ઈજનેરો, વર્ક લીડર્સ, સુપરવાઈઝર્સ અને ટેક્નીશિયનો માટે વ્યાપક તાલીમ અને પ્રમાણપત્ર કાર્યક્રમો યોજવામાં આવ્યા છે. ગુજરાતના ટી-2 અને ટી-3 પેકેજ હેઠળ અંદાજે 436 ઈજનેરોને આ અદ્યતન તકનીકોમાં પહેલેથી જ તાલીમ આપવામાં આવી ચૂકી છે.

સુરતના 909 હેક્ટરમાં 5 ટાઉન પ્લાનિંગ સ્કીમ તૈયાર કરાઇ

કેન્દ્ર સરકાર સાથે સંકલનમાં રહી સુડાએ સુરતના 909 હેક્ટર વિસ્તારમાં હાઇ-સ્પીડ રેલ (HSR) નોડ વિસ્તારના માળખાગત વિકાસના આયોજનને આગળ ધપાવવા 5 ટીપી સ્કીમ તૈયાર કરી છે. આંત્રોલી પાસે બુલેટ ટ્રેનનું સ્ટેશન બની રહ્યું છે ત્યાં H નોડ વિસ્તારની નજીકમાં સુનિયોજિત ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર માટે 07 ગામોને આવરી આ ટીપી સ્કીમ તૈયાર કરાઇ રહી છે.